व्याकरण दर्पण 2

1. हमारी भाषा

1 मौखिक लिखित मौखिक लिखित मौखिक मौखिक

2 (क) बोलकर (ख) कहानी (ग) इशारे से (घ) पढ़ी जाती है

3 (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓

4

गूटरगूँ

टर्र...टर्र...

हिन...हिन...

भौं...भौं...

में...में...

2. वर्णों का ज्ञान

1 अदरक; आकाश; इडली; ईख; उपवन; उषा; ऋषि; एक; ऐनक; ओंठ; औज़ार

2 च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण प फ ब भ म

3 सच्चा, बच्चा; अच्छा, स्वच्छ; छप्पर, अप्पू; सृष्टि, दृष्टि; शक्ति, भक्ति

4 न ट ग ध र म।

3. मात्रा और शब्द ज्ञान

1 अनार; पपीता; थरमस; कबूतर; करेला; हिरन

2 तितली; चील; पैसा; कान; साँप; झंडा; मूली; कछुआ

3

त	र	बू	ज	घ
चि	ड़ि	या	हा	र
गु	शे	गो	ज	म
ला	र	भी	आ	ट
ब	क	ल	म	र

4

कील

साँप

बस

सूरज

बालटी

4. वाक्य

1 गाय हमें दूध देती है।
मंदिर में हम पूजा करते हैं।

2 लड़की फूल छू रही है।
रानी रस्सी से कूद रही है।

3 (क) नव्य खेल चुका है।
(ग) थैला लेकर बाज़ार जाओ।
बात-बात पर रोना अच्छा नहीं होता।
छत पर नहीं खेलना चाहिए।
रोहित किताब पढ़ता है।
बंदर पेड़ पर बैठा है।
(ख) मेरे पिता जी कल आएँगे।
(घ) अमन उधर मत खेल।

5. नाम वाले शब्द (संज्ञा)

1 हाथी कमल फल पेड़

2 (क) गौरव (ख) पतंग (ग) टोपी (घ) साँप (ङ) डाकघर (च) पुस्तक

3 लोगों के नाम – मदन, गीता फलों के नाम – आम, केला
पक्षियों के नाम – मोर, तोता सब्ज़ियों के नाम – पालक, गाजर

6. आदमी-औरत

1 हाथी – हथिनी माता – पिता मामा – मामी
नौकर – नौकरानी चूहा – चुहिया

2 (क) मोर (ख) चुहिया (ग) राजा (घ) नागिन

3 मुरगा – मुरगी राजा – रानी घोड़ी – घोड़ा
बेटा – बेटी गाय – बैल दादी – दादा
बकरी – बकरा शेर – शेरनी

7. वचन

1 लता – लताएँ छाता – छाते झंडा – झंडे
चादर – चादरें साड़ी – साड़ियाँ
2 पंखे घड़ियाँ आँखें
बकरियाँ गाड़ियाँ संतरे
3 लड़का गुब्बारे कुत्ते घंटियाँ तारे बस्ता

8. सर्वनाम

1 मैं वह तुम आप
2 वह फूल सुंदर है। उसे सेब खिलाओ। मेरी बहन सो रही है।
आप कहाँ जा रहे थे? तुम खेलने जाओ।

9. विशेषण

1. (क) लंबी (ख) हरी (ग) काला (घ) मीठी (ङ) कंजूस
2. हरी मटर मोटा लड़का सुंदर फ्रॉक ऊँचा ऊँट खट्टी इमली

10. क्रिया

1 लिखना नाचना कूदना खेलना खाना धोना
2 (क) पढ़ती है (ख) गिर पड़ा (ग) बनाया
(घ) रहेगा (ङ) सुनाते हैं
3 (क) गई (ख) किया (ग) तोड़कर (घ) उड़
4 दीपावली के इस चित्र में लड़की दीवार पर दीये रख रही है। एक बच्चा आतिशबाजी चला रहा है। साथ में खड़ा लड़का ताली बजा रहा है। वहीं थोड़ी दूरी पर खड़ी लड़की नाच रही है। उन्हीं के साथ उनके अविभावक खड़े हैं। दूसरी तरफ़ एक लड़का और लड़की खड़े हैं। लड़की फुलझड़ी चला रही है।

11. विलोम शब्द

1 (क) सफ़ेद (ख) छोटा (ग) गरीब (घ) सूखा
2 पतला – मोटा ऊपर – नीचे अंदर – बाहर
सोना – जागना गरम – ठंडा सुबह – शाम
3 बुरा – भला सरल – कठिन सूखा – गीला मौखिक – लिखित
अपना – पराया राजा – रंक ऊपर – नीचे

12. समान अर्थ वाले शब्द

1 (क) खग (ख) नीर (ग) तरु (घ) नृप (ङ) गगन (च) रवि

2 (क) खग, चिड़िया (ख) नृप, सम्राट (ग) राक्षस, असुर

13. किसको क्या कहते हैं?

1 अध्यापक डाकिया सैनिक चित्रकार जादूगर

2 (क) चित्रकार (ख) जादूगर (ग) किसान (घ) डॉक्टर

14. दिन और महीने

1 (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✗

2 (क) मई (ख) दिसंबर (ग) जनवरी (घ) अक्तूबर (ङ) मार्च

15. कहानी लेखन

1. एक शैतान **बंदर** था। वह सबको तंग करता था। एक दिन वह **बारिश** में भीग रहा था। पेड़ पर एक **चिड़िया** का घोंसला था। वह **घोंसले** में बारिश से बचकर बैठी थी। उसने बंदर को **बारिश** में भीगते देखा। **वह** ठंड से काँप रहा था। **चिड़िया** ने बंदर से कहा, "**बंदर** भैया, तुम भी घर बना लेते। तुम्हें भी बारिश में **भीगना** नहीं पड़ता।" यह सुनकर **बंदर** को **गुस्सा** आ गया। वह **झट** से **घोंसले** की तरफ़ झपटा। उसने **चिड़िया** का **घोंसला** तोड़ दिया। चिड़िया उड़ गई और ज़ोर-ज़ोर से **रोने** लगी। **चिड़िया** को समझ आ गया कि मूर्ख को सलाह नहीं देनी चाहिए।

2. भोला के पास एक पालतू नेवला था। भोला की पत्नी नेवले को रोज़ दूध देती, दोनों उसे दूध पीते देखकर बड़े खुश होते। एक दिन भोला की पत्नी नेवले को बच्चे के पास छोड़कर हाथ में घड़ा लेकर पानी भरने कुएँ की तरफ़ चल पड़ी। पानी से भरा घड़ा सिर पर रखकर जब वह वापिस लौटी तो उसने दरवाज़े पर नेवले को बैठे देखा। उसके मुँह पर खून लगा था। उसने समझा कि नेवले ने बच्चे को काटा है और बिना सोचे-समझे पानी से भरा घड़ा नेवले पर फेंका और अंदर की तरफ़ भागी। उसकी नजर मरे हुए साँप पर पड़ी और देखा कि बच्चा चुपचाप सोया हुआ है। उसे बात समझते देर न लगी कि नेवले ने बच्चे को साँप से बचाया है। वह वापिस उसी जगह पर आकर देखती है कि नेवला तो मर चुका है। तभी भोला भी वहाँ आ जाता है। दोनों उसकी मृत्यु पर दुखी होते हैं।

हमें कोई भी कार्य बिना सोचे-समझे नहीं करना चाहिए।